>

Title: Alleged registration of fake cases against poor people who are fighting for their social, political, economic and educational rights.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सबसे पहले लोक सभा अध्यक्ष महोदया को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने सदन में एक रूलिंग दी थी कि अनुसूचित जाति की अत्याचार से संबंधित जो भी घटनाएं होंगी, उन्हें सदन संज्ञान में लेगा। उसी परिप्रेक्ष्य में मैं कहना चाहूंगा कि 15 अगस्त, 2010 को जब सारा देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, उस वक्त मेरे निर्वाचन क्षेत्र कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश के गांव लहना और थाना करारी के अंतर्गत एक हरिलाल, अनुसूचित जाति का व्यक्ति था। जो झंडा फहराने के बाद गांव में पंचायत चुनाव की तैयारी में कार्य कर रहा था। उस वक्त कहा-सुनी होने पर, उसे दिन में ही गोली मार दी गई और उसकी हत्या कर दी गई। अनुसूचित जाति के उत्तेजित लोगों ने हत्यारों के घरों की आगजनी की। इससे काफी जान-माल का नुकसान हुआ है। उस आगजनी में बहुत सारे निर्दोष लोगों के ऊपर दफा लगाई गई है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से गुजारिश करना चाहूंगा कि इस घटना की एक उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। हरिजन उत्पीड़न से उसकी हत्या हुई है। जो दोषी लोग हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई हो। नामजद रिपोर्ट लिखी गई है और जो निर्दोष लोग हैं, वे कम से कम उस मुकदमे से बचें। यही मेरा आग्रह है। इतनी ही बात कह कर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।